आईआईएम में हिंदी पखवाड़े का समापन

'संस्कृति का प्रतिबिंब होती है भाषा'

रायपुर ◆ हिंदी भाषा के उपयोग को बढ़ावा देने के प्रयास में आईआईएम रायपुर ने 8-14 सितंबर तक 'हिंदी पखवाड़ा' मनाया। हिंदी भाषा में कविता पाठ और भाषण प्रतियोगिता शामिल थी जिसमें छात्रों और कर्मचारियों की भागीदारी देखी गई। उन्होंने प्रसिद्ध एवं स्व-लिखित कविताएँ पढ़ी।

हिंदी पखवाड़ा का समापन समारोह 14 सितंबर को आयोजित किया गया। जिसे पूरे देश में हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाता है। मुख्य अतिथि अजय कुमार पांडे कमिश्नर सेंट्रल गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स एंड एक्साइज, आईआईएम रायपुर के निदेशक, प्रो. भारत भास्कर थे। कार्यक्रम अध्यक्ष, कर्नल (डॉ.) हरिंदर त्रिपाठी (सेवानिवृत्त) ने संस्थान में हिंदी भाषा को बढ़ावा देने के लिए किए गए प्रयासों पर एक रिपोर्ट प्रस्तुत की। प्रो. भास्कर ने कहा कि कोई भी भाषा संस्कृति का

प्रतिबिंब होती है और यह संस्कृति को भी जीवित रखती है। यह तथ्य कि हिंदी संस्कृत भाषा से विकसित हुई है और इसका निरंतर विकसित होना इसे जीवंत भाषा बनाता है।

कार्यालय में हो हिंदी का उपयोग

मुख्य अतिथि अजय कुमार पांडे वर्चुअल तौर पर शामिल हुए। उन्होंने कार्यालय के काम में हिंदी भाषा का उपयोग करने के व्यावहारिक निहितार्थ पर जोर दिया। यदि हम तकनीकी शब्दों को उसकी मूल भाषा यानी अंग्रेजी में अपनाना शुरू कर दें और हिंदी भाषा को लचीला बना दें तो हमारे लिए अपनी भाषा में बेहतर तरीके से काम करना आसान हो जाएगा। हिंदी भाषा एक वैज्ञानिक भाषा है और भाषा के व्यापक उपयोग के लिए मातृभाषा के लिए केवल दृढ़ संकल्प और प्यार की आवश्यकता है।

ये रहे विजेता

कविता और भाषण प्रतियोगिता के विजेताओं को डीन एकेडमिक्स प्रो. संजीव पराशर द्वारा सम्मानित किया गया। अनुसंधान विद्वानों के बीच कविता पाठ प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार अविनाश जावड़े (एफपीएम स्कॉलर) को और दूसरा पुरस्कार अंकित कुमार (एफपीएम स्कॉलर) को प्रदान किया गया।

Patrika, 15th Sep. 2020,p. 5